Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.shisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 SHISRRJ | Volume 8 | Issue 2
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ258221

गुजरात राज्य के माध्यमिक स्तर के छात्रों के मानसिक स्वास्थय एवं आकांक्षा स्तर का तुल्नात्मक अध्ययन

राठोड वनराज सिंह रावजी भाई
शिक्षा विभाग, माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा
डॉ. सतेन्द्र कुमार. सहायक प्राध्यापक
शिक्षा विभाग, माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा

Article Info
Accepted : 01 April 2025
Published : 12 April 2025

Publication Issue :
March-April-2025
Volume 8, Issue 2

Page Number : 95-102

सारांश :

इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत के गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति और आकांक्षा स्तरों का विश्लेषण करना है। अध्ययन यह पता लगाएगा कि मानसिक स्वास्थ्य अकादमिक प्रदर्शन, कैरियर की आकांक्षाओं और समग्र कल्याण को कैसे प्रभावित करता है। मात्रात्मक और गुणात्मक तरीकों का उपयोग करके, शोध इस जनसांख्यिकी के भीतर महत्वपूर्ण रुझानों और सहसंबंधों की पहचान करना चाहता है, जो व्यापक शैक्षिक नीतियों और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहलों में योगदान देता है।

1. प्रस्तावना :

मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षा स्तर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं, विशेष रूप से गुजरात राज्य के संदर्भ में, जहाँ सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षिक गतिशीलता एक दूसरे से मिलती है। जैसे-जैसे किशोर शैक्षिक माँगों और व्यक्तिगत अपेक्षाओं की जटिलताओं से निपटते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य और उनकी आकांक्षाओं के बीच के संबंध को समझना आवश्यक हो जाता है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि मानसिक स्वास्थ्य की बदलती स्थितियाँ छात्रों की आकांक्षाओं को कैसे प्रभावित करती हैं, गुजरात में युवाओं द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी चुनौतियों के अनुरूप सहायता प्रणालियों की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए। निष्कर्ष मनोवैज्ञानिक कल्याण और शैक्षिक महत्वाकांक्षाओं के बीच परस्पर क्रिया में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो क्षेत्र के शैक्षिक ढांचे के भीतर नीति और अभ्यास के लिए व्यापक निहितार्थों पर प्रकाश डालेंगे। इन चरों की व्यवस्थित रूप से तुलना करके, अध्ययन छात्रों के बीच भावनात्मक स्थिरता और

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

आकांक्षात्मक विकास दोनों के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में शिक्षकों और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

मानसिक स्वास्थ्य को समग्र कल्याण के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में तेजी से पहचाना जा रहा है, विशेष रूप से शैक्षिक वातावरण में जहाँ शैक्षणिक उपलब्धि का दबाव छात्रों की मनोवैज्ञानिक स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता, क्योंकि यह छात्रों की एकाग्रता, सीखने में संलग्न होने और उनकी व्यक्तिगत और शैक्षणिक आकांक्षाओं को प्राप्त करने की क्षमता को प्रभावित करता है। इसके अलावा, सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर प्रतिधारण दरों, बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और साथियों के बीच स्वस्थ पारस्परिक संबंधों से जोड़ा गया है। मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण - जिसमें परामर्श, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और शैक्षिक पहल शामिल हैं - भावनात्मक और शैक्षणिक विकास दोनों के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। यह गुजरात जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ शैक्षिक आकांक्षाएँ अक्सर अधिक होती हैं, फिर भी मानसिक स्वास्थ्य संसाधन दुर्लभ रहते हैं। इस प्रकार, छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षा स्तरों के बीच परस्पर क्रिया को समझना इस संदर्भ में प्रभावी हस्तक्षेप और सहायक शैक्षिक ढाँचे विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

1.1 गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति -

गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और भविष्य की आकांक्षाओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। हाल के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि इस क्षेत्र के किशोरों में तनाव और चिंता का उच्च स्तर होता है, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक कारकों और प्रतिस्पर्धी शैक्षिक वातावरण से बढ़ जाता है। इसके अलावा, साथियों का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएँ और कोविड-19 महामारी के बाद की परिस्थितियाँ इन मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों को और बढ़ा रही हैं, जिससे छात्रों में भय और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है (हक़ एट अल.)। इस स्थिति में इस बात का ध्यानपूर्वक विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि मानसिक स्वास्थ्य आकांक्षा स्तरों के साथ कैसे संबंधित है। जैसा कि सामाजिक संज्ञानात्मक ढाँचों में सिद्धांतित किया गया है, आकांक्षा करने की क्षमता अक्सर संबंधपरक और पर्यावरणीय संदर्भों द्वारा आकार लेती है, जो मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों (एगर एट अल.) के इर्द-गिर्द कलंक को मजबूत कर सकती है। इस प्रकार, छात्रों की

मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करना एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है जो उन्हें अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में सक्षम बनाता है।

1.2 छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक-

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य शैक्षणिक दबाव, पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक गतिशीलता सहित असंख्य कारकों से गहराई से प्रभावित होता है। गुजरात राज्य में, प्रतिस्पर्धी शैक्षिक वातावरण अक्सर चिंता और तनाव को बढ़ाता है, जिससे छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शोध से पता चलता है कि उच्च आकांक्षाएँ, प्रेरणा देने के साथ-साथ प्रदर्शन करने के दबाव को भी बढ़ा सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर अवसाद और बर्नआउट जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ होती हैं। इसके अलावा, छात्रों को सहकर्मी संबंधों के कारण अलगाव का अनुभव हो सकता है जो सहायक या विषाक्त हो सकते हैं। इस संदर्भ में, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का प्रतिच्छेदन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, जो इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए स्कूलों के भीतर सहायक ढाँचों की आवश्यकता को उजागर करता है।

1.3 गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आकांक्षा का स्तर-

गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आकांक्षा का स्तर उनकी शैक्षिक प्रगति और भविष्य की संभावनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये आकांक्षाएँ न केवल व्यक्तिगत सपनों और महत्वाकांक्षाओं से प्रभावित होती हैं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक कारकों, सांस्कृतिक संदर्भ और संसाधनों तक पहुँच से भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होती हैं। शोध से पता चलता है कि आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्र अक्सर कम आकांक्षा स्तर प्रदर्शित करते हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धियों और मानसिक स्वास्थ्य में बाधा डाल सकता है। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक वातावरण से उत्पन्न दबाव इन चुनौतियों को बढ़ा सकते हैं, जिससे छात्रों में तनाव और चिंता बढ़ सकती है। शैक्षिक समानता को बढ़ाने और सभी शिक्षार्थियों के लिए अधिक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए इन असमानताओं को संबोधित करना आवश्यक है।

1.4 छात्रों की आकांक्षाओं पर सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव-

गुजरात में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आकांक्षाएँ सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों द्वारा महत्वपूर्ण रूप से आकार लेती हैं, जो उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अवसर और बाधाएँ दोनों पैदा

करती हैं। आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शैक्षिक संसाधनों तक सीमित पहुँच जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो उनकी महत्वाकांक्षाओं को दबा सकती हैं इसके अलावा, सांस्कृतिक मानदंड और अपेक्षाएँ छात्रों की आकांक्षाओं को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं; उदाहरण के लिए, कुछ समुदायों में, लिंग भूमिकाओं के बारे में पारंपरिक विचार लड़कियों की शैक्षिक और कैरियर आकांक्षाओं को सीमित कर सकते हैं, जिससे शैक्षिक प्रणाली के भीतर लैंगिक असमानता को बढ़ावा मिलता है ये सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव आपस में जुड़ते हैं, जिससे एक जटिल परिदृश्य बनता है जहाँ आकांक्षाएँ अक्सर कई छात्रों की पहुँच से बाहर होती हैं। इसके बाद, इन कारकों को समझना लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने के लिए आवश्यक है जो समान शैक्षिक पहुँच को बढ़ावा दे सकते हैं और गुजरात में सभी छात्रों की आकांक्षाओं को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा मिलता है।

2. साहित्य का पुनरवलोकन :

मौजूदा साहित्य किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। अध्ययन छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर शैक्षणिक तनाव, पारिवारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक-आर्थिक कारकों के प्रभाव को उजागर करते हैं (**शर्मा एट अल**., 2020; **पटेल और देसाई**, 2019)। इसके अलावा, आकांक्षा स्तर - छात्र अपने भविष्य के शैक्षिक और कैरियर के अवसरों को कैसे देखते हैं - उनके मानसिक स्वास्थ्य से निकटता से जुड़े हुए हैं (**वर्मा**, 2021) **बाजपेयी**, **वीप्ति** (2009), **आनन्द**, **सरोज** (2010), **त्रिपाठी**, **कुमुद** (2011), निगम, प्रतिमा (2011), **श्रीवास्तव**, **मंयक कुमार** (2011) ने पारिवारिक वातावरण का विद्यार्थियों पर सृजनात्मकता, शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव, शैक्षिक रूचियों एवं विद्यालयी अभिवृत्तियों, उपलब्धि प्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव, सामाजिक दबाव और विद्यालयी उपलब्धि का अध्ययन, विभिन्न सामाजिक, आर्थिक तथा बौद्धिक स्तर पर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक अभिरूचि तथा विद्यालयी अभिवृत्ति का अध्ययन, निष्पत्ति पर प्रभाव, उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव, शैक्षिक क्रिया कलाप में अभिभावकों की सहभागिता, शैक्षिक उपलब्धि पर माता-पिता के प्रभाव का अध्ययन, विद्यार्थियों की विद्यालयी निष्पत्ति, वातावरण तथा व्यक्तित्व पर प्रभाव, शैक्षिक उपलब्धि और योग्यता, मातृ-पितृ प्रोत्साहन और आत्मबोध का अध्ययन, पिता की अनुपस्थित और बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा पर

प्रभाव इत्यादि का अध्ययन किया है एवं अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि घरेलू वातावरण विद्यार्थियों से जुड़े चरों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

जहाँ तक छात्रों की शैक्षिक अभिरूचि पर घरेलू वातावरण के पड़ने वाले प्रभावों का सम्बन्ध है, इस पर अनेक अध्ययन हुये है पर सभी शोध अध्ययनों गम्भीरतापूर्वक अवलोकन करने से यह ज्ञात होता है कि बहुत कम शोधकर्ता ने अभी तक घरेलू वातावरण एवं शैक्षिक अभिरूचि का सहसम्बन्धात्मक अध्ययन किया है एवं घरेलू वातावरण का शैक्षिक अभिरूचि पर क्या, कैसे व कितना प्रभाव पडता है इस जिज्ञासा की संतुष्टि हेतु अपने अध्ययन में प्रस्तुत समस्या का चयन किया है।

3. **शोध के उद्देश्य** :

1. माध्यमिक स्तर के छात्रों की मानसिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य का सह संबंध का अधध्यान करना।
2. उच्च, मध्यम एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य स्तर वाले माध्यमिक विद्यालयों के छात्रो की शैक्षणिक उपलब्धि में अंतर का अध्ययन करना।
3. छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों, मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।

4. **परिकल्पना** :

परिकल्पना 1 : छात्रों का स्वास्थ्य और आकांक्षाएँ

परिकल्पना 2 : सामाजिक-आर्थिक अंतर

परिकल्पना 3 : मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षाएँ

परिकल्पना 4 : भावनात्मक गुण

परिकल्पना 5 : मानसिकता में बदलाव

परिकल्पना 6 : उत्साह का प्रवाह बढ़ना

5. **अनुसंधान अभिकल्प** :

यह अध्याय गुजरात राज्य में माध्यमिक स्तर के खेडा जिल्ले के छात्रों का अनुभवों और धारणाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की जांच करने के लिए नियोजित पद्धति की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

शोध पद्धति में शोध प्रतिमान, डिजाइन, चर, रूपरेखा, नमूनाकरण प्रक्रिया, डेटा संग्रह विधियाँ, प्रश्नावली डिजाइन, डेटा विश्लेषण उपकरण और अध्ययन की सीमाएँ शामिल हैं।

इसमें अनुसंधान प्रतिमान, अनुसंधान डिजाइन, अध्ययन के चर, अध्ययन की रूपरेखा, नमूना आकार चयन,

डेटा संग्रहण प्रक्रिया, प्रश्नावली बनाने की प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण उपकरण, डेटा विश्लेषण उपकरण, अध्ययन की सीमाएँ की अवधारणा को दर्शाया गया है।

गुजरात राज्य के खेडा जिले में कुल 385 गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की शालाए उपलब्ध है। साल 2023 में कुल 55485 छात्रो में से 6883 छात्र सरकारी शालाओ में पढते थे और 48602 छात्र स्वनिर्भर शालाओ में पढते थे। जिनमे से यादृच्छिक चयन से 500 छात्रो को पसंद किया गया ।

5.1 अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी : शोधकर्ता ने निम्नलिखित सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया है-

1. मध्यमान
2. मानक विचलन
3. टी-अनुपात
4. प्रसरण विश्लेषण (एनोवा)

5.2 आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या :

प्रस्तुत अध्याय गुजरात में माध्यमिक स्तर के छात्रों द्वारा सामना किए जाने वाले अनुभवों और चुनौतियों की विस्ततृ जांच प्रदान करती है, जिसमें आत्मविश्वास, समर्थन, संतुष्टि, एकागत्र, संबंध, प्रेरणा, संतुलन, हामे वर्क, भागीदारी, परीक्षा की तैयारी, सहयोग, योजना, संसाधन, समर्पण, सुधार, आकांक्षाएं, कैरियर के लक्ष्य, लक्ष्य निर्धारण, प्रयास, प्ररे णा, मार्गदशर्न , दिशा और दृढ़ संकल्प जैसे पहलुोंओं को समाविष्ट किया गया है। वर्णनात्मक सांख्यिकी महत्वपूर्ण तनाव के साथ मध्यम आत्मविश्वास और समर्थन स्तर और माता-पिता के समर्थन और परीक्षा से संबंधित चिंता को प्रकट करती है। विश्लेषण बेहतर शिक्षक समर्थन, तनाव प्रबध्ंन, समय प्रबध्ंन और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। परिकल्पना परीक्षण समय के साथ स्वास्थ्य और आकांक्षाओं में महत्वपूर्ण सुधार, सामना की जाने वाली समस्याओं में सामाजिक-आर्थिक असमानताएं, औसत से कम मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक संरचना और भावनात्मक स्थिरता के आधार पर उल्लेखनीय अंतर दर्शाता है।

5.3 परिकल्पना परीक्षण :

परिकल्पना : छात्रों का स्वास्थ्य और आकांक्षाएँ

शून्य परिकल्पना: गुजरात राज्य में माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षाओं में समय के साथ कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है।

वैकल्पिक परिकल्पना: समय के साथ गुजरात राज्य में माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आकांक्षाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

6.**निष्कर्ष** :

सारांशतः कहा जा सकता है कि जहाँ सामान्य और आरक्षित वर्ग के छात्र-छात्राओं के बुद्धि, सृजनात्मकता और स्मृति में कुछ समानतायें विद्यमान है वही इन दोनों में असमानतायें भी परिलक्षित हुयी है। समग्र रूप से सामान्य और आरक्षित वर्ग के बुद्धि स्तर में जहाँ कोई अन्तर विद्यमान नहीं है वहीं पर दानों समूहों में आवासीय आधार पर बुद्धि स्तर में अन्तर प्राप्त हुआ है। सामान्य और आरक्षित दानों समूहों में शहरी विद्यार्थी ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च बुद्धि स्तर वाले है। इसका कारण शहरी विद्यार्थियों को सर्व सुविधा सम्पन्न होना, उनका शहरी परिवेश और इसके विपरीत ग्रामीण विद्यार्थियों को उस स्तर की सुविधा न मिल पाना हो सकता है। सामान्य और आरक्षित दोनों समूहों में लैंगिक आधार पर कोई अन्तर प्राप्त नहीं हुआ अर्थात सामान्य और आरक्षित विद्यार्थियों के बुद्धि स्तर पर कोई लैंगिक प्रभाव नहीं होता है। इसी प्रकार 'सामान्य छात्रों और आरक्षित छात्रों, सामान्य छात्राओं और आरक्षित छात्राओं 'सामान्य ग्रामीण छात्र-छात्राओं और आरक्षित ग्रामीण छात्र-छात्राओं और सामान्य शहरी, छात्र-छात्राओं और आरक्षित शहरी छात्र-छात्राओं के बुद्धि स्तर में समानता परिलक्षित हुई है।

सुझाव:- निम्न बिंदुओं पर भी विचार किया जा सकता है।

- शिक्षकों के लिए बहेतर सहायता और प्रशिक्षण
- मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
- माता-पिता की भागीदारी
- कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श
- आकर्षक शिक्षण वातावरण
- पाठ्येतर गतिविधियाँ

सन्दर्भ:

[1]. अब्राहम,एम., (2016), "केरल के विश्वविद्यालय प्रवेशकों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के कुछ मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहसंबंधों का एक अध्ययन"। एक अप्रकाशित डॉक्टरेट निबंध. पुणे विश्वविद्यालय।

[2]. बाजपये, एस., (2020) "हाई स्कूल जनजातीय किशोरों की स्वयं की अवधारणा पर आयु लिंग और स्थानीयता का प्रभाव", इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च,11(3), 93-96

[3]. बैलुर, केबी, (2022), "पीयूसी द्वितीय वर्ष के छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक प्रदर्शन पर परिवार, साथियों के संबंधों और दबाव का प्रभाव" एम.एससी. थीसिस, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड।

[4]. शर्मा, आरआर, (2022), "शैक्षणिक उपलब्धि में कारकों के रूप में आत्म-अवधारणा, आकांक्षा का स्तर और मानसिक स्वास्थ्य"। पीएचडी शोध प्रबंध, बी.एच.यू

[5]. Chauhan, S.S. (1999) "Advanced Educational Psychology" Vilas Publishing House Pvt. Ltd, New Delhi.

[6]. Denscombe, Martyn (1999) "The good Research guide" Viva Books Pvt. Ltd., New Delhi.

[7]. Eve Justina Romold (2006) "A Study on 6 Development of an enneagram Educational programme for enhancing Emotional intelligence of student teachers" Madurai University.

[8]. Asha J.V. (2007) "A study of the effcacy of the Instrucation Pedagogy of English Based on Ausubel and bruners models for B.Ed student" south Gujarat University, Surat